International Journal of Home Science 2020; 6(3): 94-97

International Journal of Home Science

ISSN: 2395-7476
IJHS 2020; 6(3): 94-97
© 2020 IJHS
www.homesciencejournal.com
Received: 26-07-2020
Accepted: 28-08-2020

रंजिता कुमारी
शोधार्थी, स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग, बिनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड, भारत

डॉ0 रेणु बोस
स्नातकोत्तर, गृह विज्ञान विभाग, बिनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड, भारत

Corresponding Author:
रंजिता कुमारी
शोधार्थी, स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग, बिनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड, भारत

शिक्षा के प्रति शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की मनोवृति का एक अध्ययन (हजारीबाग जिला के संदर्भ में)

रंजिता कुमारी एवं डॉ0 रेणु बोस

1. परिचयः–
भारत में महिलाएं अब सभी तरह की गतिविधियों जैसे कि शिक्षा, राजनीति, मीडिया, कला और संस्कृति, सेवा क्षेत्र, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी आदि में हिस्सा ले रही हैं। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन बाद, 9 मार्च 2010 को राज्यसभा ने महिला आरक्षण बिल को पारित कर दिया जिसमें संसद और राज्य की विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33ः आरक्षण की व्यवस्था है।

महिलाओं में शिक्षा की स्थिति एवं मनोवृतिः
भारतीय समाज में प्राचीन काल से शिक्षा अथवा विद्या का स्वरूप अत्यन्त ज्ञानपरक, सुव्यवस्थित और सुनियोजित था, जिसमें व्यक्ति के लौकिक और पारलौकिक जीवन के लिए विभिन्न प्रकार की शिक्षा प्रदान की जाती थी। भौतिक और अध्यात्मिक जीवन के निर्माण तथा विभिन्न उत्तरदायित्वों को निष्पन्न करने के लिए शिक्षा की नितांत आवश्यकता थी।**1** सभ्यता के विकास का संबंध अर्थ के बाद शिक्षा का ही है।[2] उपरोक्त विवेचनाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि आज महिलाओं की सामाजिक आर्थिक स्थिति मेंण्ण परिवर्तन हुआ तथा उनके शिक्षा के स्तर में वृद्धि हुई है।
इसका कारण यह है कि आज नारी शिक्षा के प्रति मनोवृति में परिवर्तन हुआ है। अतः महिलाओं के इन स्थितियों में परिवर्तन का अकंलन प्रस्तुत शोध में किया गया है। जिसके उद्देश्य निम्नलिखित हैः–

2. शोध का उद्देश्यः
1 महिलाओं के शैक्षणिक स्तर को जानना।
2 महिलाओं में नारी शिक्षा के प्रति मनोवृति को जानना।

3. शोध की परिकल्पनायेंः
1. उच्च शिक्षित महिलाओं में नारी शिक्षा के प्रति मनोवृति अच्छी है, निम्न महिलाएँ की अपेक्षा।
2. उच्च शिक्षित महिलाओं में नारी शिक्षा के प्रति मनोवृति सकारात्मक है।
3. निम्न शिक्षित महिलाओं में नारी शिक्षा के प्रति मनोवृति नकारात्मक है।

4 अध्ययन क्षेत्र एवं शोध प्रविधि
अध्ययन क्षेत्र मैंने शोध के लिए अध्ययन क्षेत्र के रूप में झारखण्ड के हजारीबाग जिला का चुनाव किया है। 2011 जनगणना के आधार पर हजारीबाग जिला में 16 प्रखण्ड है।
शोध की प्रविधियाँ प्रस्तुत शोध में जिन प्रविधियों का प्रयोग किया गया है। निम्नलिखित है– 1) निदर्शन विधि 2) अवलोकन या निरीक्षण प्रस्तुत शोध कार्य के लिए उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति एवं अवलोकन या निरीक्षण द्वारा हजारीबाग क्षेत्र के महिलाओं के सामाजिक–आर्थिक एवं शिक्षा के मनोवृति के अध्ययन के लिए 300 निदर्श का चयन उद्देश्यपूर्ण निर्देशन विधि द्वारा किया गया है।

समको के संग्रह का उपकरण –
क) व्यक्तिगत सुचनाओं के लिए प्रयुक्त अनुसूचित/प्रश्नावली : अनुसूचि/प्रश्नावली सामान्य जानकारियों से संबंधित विषयों पर आधारित होगी। जिसमें वैसे व्यक्तिगत जानकारियों का ही संग्रह किया गया। यह शोध की आवश्यकता के अनुसार शोधार्थी द्वारा किया गया।
ख) सामाजिक आर्थिक स्थिति को मापने के लिए कूपूस्वामी सामाजिक–आर्थिक स्थिति मानदंड को परीवर्तित रूप देकर, उपयोग सिर्फ महीलाओं का समाजिक आर्थिक स्थिति के स्तर में विभाजित करने के लिए प्रारूप के रूप में किया गया।

5. परिणाम एवं विश्लेषण

मुख्य रूप से 300 उत्तरदाता अर्थात् अध्ययन में 300 महिलाओं का चयन किया गया है। अध्ययन के अर्न्तगत् 150 महिलायें ग्रामीण एवं 150 महिलयें शहरी क्षेत्र में ली गई है। जिसमें दोनों क्षेत्रों के लिए समस्त जानकारियाँ प्राप्त करने के लिए पुनः चार प्रमुख भागों में बाँटा गया है। शहरी क्षेत्र में हजारीबाग जिला एवं ग्रामीण क्षेत्र बड़का गाँव (पकरी, बरबाडीह)।

सारणी संख्या 1: शिक्षा एवं महिलायें

शिक्षा का स्तर	शहरी		ग्रामीण	
	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
मैट्रिक से कम	50	30.3	50	30.3
मैट्रिक एवं इन्टर	50	30.3	50	30.3
स्नातक एवं उच्च शिक्षा	50	30.3	50	30.3
कुल	150	100	150	100

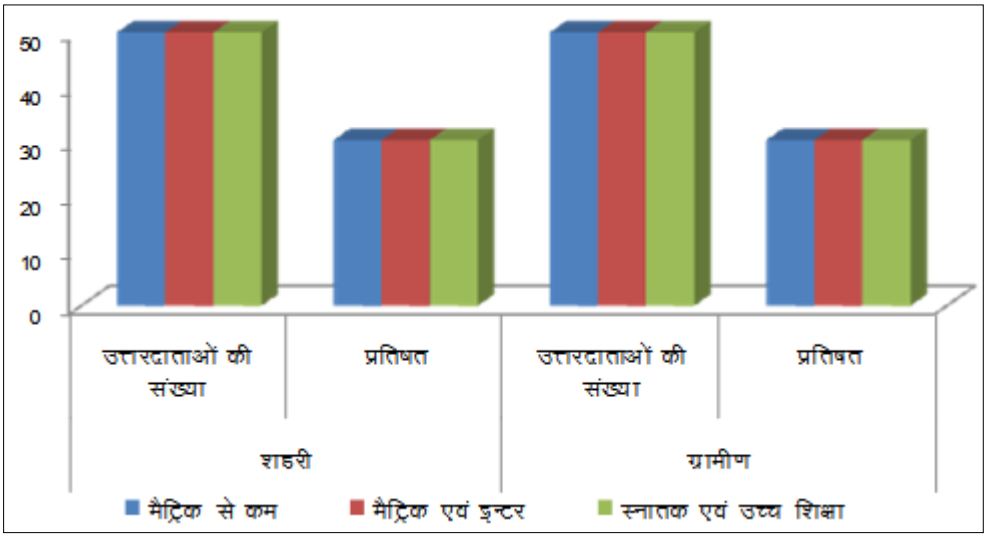

चित्र –1

उपयुक्त सारणी के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि शहरी क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें और ग्रामीण क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें मैट्रिक से कम शिक्षित है जबकि 30.3 प्रतिशत शहरी महिलायें एवं 30.3 प्रतिशत ग्रामीण महिलायें मैट्रिक और इन्टर है। उसी प्रकार शहरी क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें और ग्रामीण की 30.3 प्रतिशत महिलायें स्नातक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त है।

महिलाओं की शिक्षा के प्रति विविध मनोवृति

सारणी संख्या 2: शहरी क्षेत्र में नारी शिक्षा के विविध तथ्य

शहरी क्षेत्र में नारी शिक्षा	सहमत	कुछ सहमत	कुछ असहमत	बिल्कुल असहमत	कुल योग
	संख्या	संख्या	संख्या	संख्या	
नारी शिक्षा उचित है	58 (38.6)	42 (28)	20 (13.3)	30 (20)	150
लड़कियों की शिक्षा होनी चाहियें	120 (80)	22 (14.6)	6 (4.4)	2 (1.3)	150
नारी शिक्षा का लाभ	122 (81.2)	8 (5.3)	16 (14.8)	4 (2.6)	150
सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतू जानकारी	172 (74.6)	38 (25.3)	0 (0)	0 (0)	150
बेटियों की शिक्षा की स्थिति अच्छी हैं	80 (53.3)	30 (20)	26 (17.3)	14 (9.3)	150
आपकी नजरों में बेटी की शिक्षा पूरी है	62 (41.3)	40 (26.6)	36 (24)	12 (8)	150
परिवार में उनके पतियों की नारी शिक्षा का महत्व के स्थिति महिला पढ़ी–लिखी होनी चाहियें	66 (44)	36 (24)	38 (25.3)	10 (66)	150

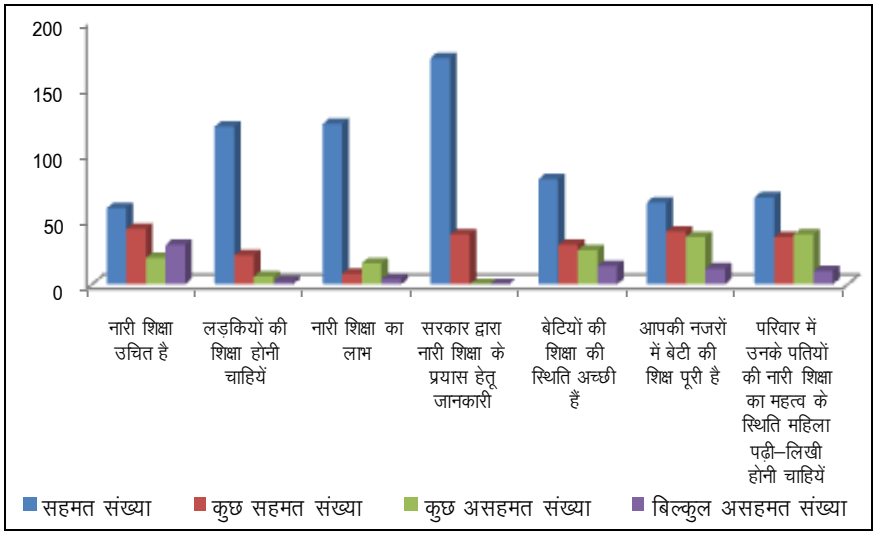

चित्र–2

उपर्युक्त सारणी के विश्लेषण से स्पष्ट होता है नारी शिक्षा उचित है इस सम्बन्ध में 38.6 प्रतिशत सहमत है, 28 प्रतिशत कुछ सहमत, 13.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 20 प्रतिशत विलकुल असहमत है। लड़कियाँ की शिक्षा होनी चाहिए इस सम्बन्ध में 80 प्रतिशत सहमत, 14.6 प्रतिशत असहमत, 4.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 1 प्रतिशत बिलकुल असहमत है। नारी शिक्षा के लाभ के सम्बन्ध में 81.3 प्रतिशत सहमत, 14.8 प्रतिशत कुछ असहमत है। सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतु जानकारी में 74.6 प्रतिशत सहमत और 25.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटियों की शिक्षा के सम्बन्ध में 53.3 प्रतिशत सहमत, 20 प्रतिशत कुछ सहमत 17.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटी भी शिक्षा पूरी होने के सम्बन्ध में 41.3 प्रतिशत सहमत, 26.6 प्रतिशत असहमत 24 प्रतिशत कुछ असहमत 8 प्रतिशत बिलकुल असहमत है

सारणी संख्या 3: ग्रामीण क्षेत्र में नारी शिक्षा के विविध तथ्य

ग्रामीण क्षेत्र में नारी शिक्षा	सहमत	कुछ सहमत	कुछ असहमत	बिल्कुल असहमत	कुल योग
	संख्या	संख्या	संख्या	संख्या	
नारी शिक्षा उचित है	120 (80)	22 (14.6)	6 (3.3)	2 (1)	150
लड़कियों की शिक्षा होनी चाहियें	124 (82.6)	26 (17.3)	0 (0)	0 (0)	150
नारी शिक्षा का लाभ	112 (74.6)	24 (16)	10 (8.3)	4 (2.3)	150
सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतू जानकारी	118 (78.6)	32 (21.3)	0 (0)	0 (0)	150
बेटियों की शिक्षा की स्थिति अच्छी हैं	110 (73.3)	40 (26.7)	0 (0)	0 (0)	150
आपकी नजरों में बेटी की शिक्ष पुरी है।	122 (81.3)	28 (18.6)	0 (0)	0 (0)	150
परिवार में उनके पतियों की नारी शिक्षा का महत्व का स्थिति महिला पढ़ी–लिखी होनी चाहियें	92 (61.3)	40 (25.6)	18 (13.1)	0 (0)	150

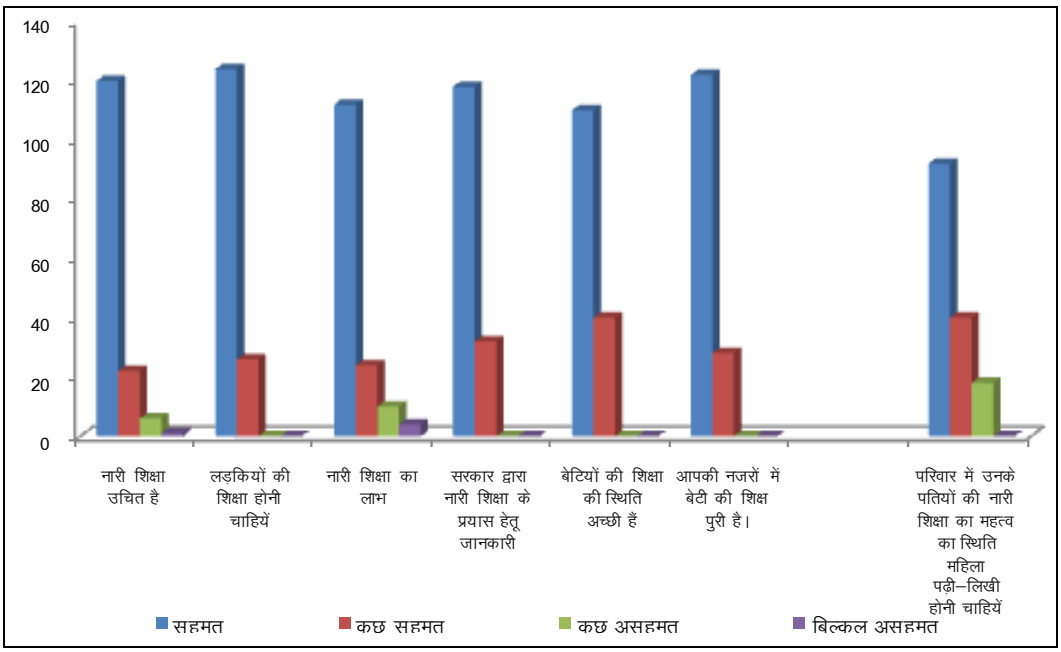

चित्र–3

उपर्युक्त सारणी के विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि नारी शिक्षा के प्रति ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की मनोवृति क्या है? नारी शिक्षा उचित है इस सम्बन्ध में 80 प्रतिशत सहमत है, 14.6 प्रतिशत कुछ सहमत, 3.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 1 प्रतिशत विलकुल असहमत है। लड़कियाँ की शिक्षा होनी चाहिए इस सम्बन्ध में 82.6 प्रतिशत सहमत, 17.3 प्रतिशत असहमत, 0 प्रतिशत कुछ असहमत और 0 प्रतिशत बिलकुल असहमत है। नारी शिक्षा के लाभ के सम्बन्ध में 74.6 प्रतिशत सहमत, 16 प्रतिशत कुछ असहमत है। सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतु जानकारी में 8.3 प्रतिशत सहमत और 2.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटियों की शिक्षा के सम्बन्ध में 78.6 प्रतिशत सहमत, 21.3 प्रतिशत कुछ सहमत 0 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटी भी शिक्षा पूरी होने के सम्बन्ध में 0 प्रतिशत सहमत, 73.3 प्रतिशत असहमत 26.7 प्रतिशत कुछ असहमत 0 प्रतिशत बिलकुल असहमत है।

6. सारांश एवं निष्कर्ष

प्रस्तुत शोध प्रबंध ''महिलाओं में नारी शिक्षा के प्रति मनोवृत्ति का एक अध्ययन'' नम्नलिखित रूप में सारांश एवं निष्कर्ष प्रस्तुत किया गया है।

शहरी क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें और ग्रामीण क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें मैट्रिक से कम शिक्षित है जबकि 30.3 प्रतिशत शहरी महिलायें एवं 30.3 प्रतिशत ग्रामीण महिलायें मैट्रिक और इन्टर है। उसी प्रकार शहरी क्षेत्र की 30.3 प्रतिशत महिलायें और ग्रामीण की 30.3 प्रतिशत महिलायें स्नातक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त है।

नारी शिक्षा उचित है इस सम्बन्ध में 38.6 प्रतिशत सहमत है, 28 प्रतिशत कुछ सहमत, 13.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 20 प्रतिशत विलकुल असहमत है। लड़कियाँ की शिक्षा होनी चाहिए इस सम्बन्ध में 80 प्रतिशत सहमत, 14.6 प्रतिशत असहमत, 4.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 1 प्रतिशत बिलकुल असहमत है। नारी शिक्षा के लाभ के सम्बन्ध में 81.3 प्रतिशत सहमत, 14.8 प्रतिशत कुछ असहमत है। सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतु जानकारी में 74.6 प्रतिशत सहमत और 25.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटियों की शिक्षा के सम्बन्ध में 53.3 प्रतिशत सहमत, 20 प्रतिशत कुछ सहमत 17.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटी भी शिक्षा पूरी होने के सम्बन्ध में 41.3 प्रतिशत सहमत, 26.6 प्रतिशत असहमत 24 प्रतिशत कुछ असहमत 8 प्रतिशत बिलकुल असहमत है।

नारी शिक्षा के प्रति ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं की मनोवृति क्या है? नारी शिक्षा उचित है इस सम्बन्ध में 80 प्रतिशत सहमत है, 14.6 प्रतिशत कुछ सहमत, 3.3 प्रतिशत कुछ असहमत और 1 प्रतिशत विलकुल असहमत है। लड़कियाँ की शिक्षा होनी चाहिए इस सम्बन्ध में 82.6 प्रतिशत सहमत, 17.3 प्रतिशत असहमत, 0 प्रतिशत कुछ असहमत और 0 प्रतिशत बिलकुल असहमत है। नारी शिक्षा के लाभ के सम्बन्ध में 74.6 प्रतिशत सहमत, 16 प्रतिशत कुछ असहमत है। सरकार द्वारा नारी शिक्षा के प्रयास हेतु जानकारी में 8.3 प्रतिशत सहमत और 2.3 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटियों की शिक्षा के सम्बन्ध में 78.6 प्रतिशत सहमत, 21.3 प्रतिशत कुछ सहमत 0 प्रतिशत कुछ असहमत है। बेटी भी शिक्षा पूरी होने के सम्बन्ध में 0 प्रतिशत सहमत, 73.3 प्रतिशत असहमत 26.7 प्रतिशत कुछ असहमत 0 प्रतिशत बिलकुल असहमत है।

आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर होने वाली महिलाएँ में शहरी की महिलाओं का प्रतिशत सबसे अधिक है। इसका सबसे बड़ा कारण महिलाएँ का शिक्षित होना माना जा सकता है।

7. संदर्भ सूची :

1. पाठक, श्याम बिहारी (2010) प्राचीन भारत में शिक्षा, वाराणसी, कला प्रकाशन, पृ0 18
2. गुप्त मुनिलाल (2009) विष्णु पुराण, गोरखपुर,गीताप्रेस,पृ01 /5/6/19/41, /61
3. सिन्हा (2015), एचटीटीपी : // डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट क्यूआरए डॉट कॉम
4. गूप्ता, एस. के. (2009) रूरल अरबन माइग्रेशन नीड टु स्टीम आइटी कुरूक्षेत्र,
5. रूरल माइग्रेशन पेज 15, जून 2009
6. साहिब मित्रा (1990) हिन्दूस्तान टाइम्स (दिल्ली, सितम्बर 21, 1990) के एक समाचार में एन. सी. ई. आर. टी. के तत्वाधान में आयोजित एक संगोष्ठी की चर्चा